3. शब्द और वाक्य

शब्द और वाक्य बनाना व्याकरण का दूसरा तथा तीसरा अंग हैं। वर्णों के सही क्रम में जुड़ने से शब्द बनते हैं तथा शब्दों के सही और व्यवस्थित क्रम में जुड़ने पर एक सार्थक वाक्य की रचना होती है।

शिक्षण-संकेत

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका पाठ पृष्ठ 14 पर दी गई शब्द को पारिभाषित करती दो पंक्तियाँ पढ़ें और बच्चों को बताएँ कि एक-एक वर्ण के जुड़ने से शब्द बनता है।
- ❖ तदुपरांत पृष्ठ पर दी गई गतिविधि बच्चों से करवाएँ और उनसे चित्र देखकर वर्णों का सही क्रम लिखकर शब्द बनाने को कहें।
- ❖ इस गतिविधि द्वारा बच्चे स्वयं समझने में सक्षम हो पाएँगे कि शब्दों की रचना कैसे होती है।
- ❖ बच्चों को शब्द की परिभाषा याद करवाएँ।
- ❖ अब वाक्य की रचना के बारे में समझाएँ।
- ❖ पृष्ठ 15 पर दिए गए चित्र और वाक्यों को बच्चों से पढ़ने को कहें। बताएँ, शब्दों को सही क्रम में जोड़कर ही एक सार्थक वाक्य बनाया जाता है।
- ❖ कक्षा के तीन बच्चों को बादल सूर्य और इंद्रधनुष के वाक्य बोलने के लिए खड़ा किया जा सकता है। इस प्रकार बच्चों की पाठ के प्रति रोचकता को बढ़ाया जा सकता है।
- ❖ वाक्य की परिभाषा याद करवाकर बच्चों से सुनें।
- ❖ पृष्ठ 16 पर दिए वाक्य बच्चों से पढ़वाएँ।
- ❖ सभी बच्चों पर अपना ध्यान बनाए रखें। यदि उन्हें कुछ समझने में परेशानी आए तो दोबारा सरलता से समझाने का प्रयास करें।
- ❖ 'आपने सीखा' द्वारा पाठ के मुख्य बिंदु एक बार फिर दोहरवा लें।
- ❖ पाठ अभ्यास करवाएँ। यथासंभव सहायता भी करें।